केन्द्रीय विद्यालय सीतापुर

कक्षा – 11

विषय –हिन्दी (आधार)

समय -90 मिनट अधिकतम अंक – 40

सामान्य निर्देश –इस प्रश्नपत्र में तीन खंड है |

1.खंड 'अ' में 30 प्रश्नों में से केवल 15 प्रश्नों का ही उत्तर देना है

2. खंड 'ब'में 6 प्रश्नों में से केवल 5 प्रश्नों के उत्तर देने हैं |

3. खंड 'स' में 22 प्रश्नों में से केवल 20 प्रश्नों के ही उत्तर देना है|

4. सभी प्रश्न बहुविकल्पीय है | प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है |

खंड अ (अपठित बोध) 15 अंक

प्रश्न 1 प्रस्तुत गद्यांश को पढ़िए और उचित विकल्पों का चयन करके उत्तर दीजिये –

गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरुक बनाने का प्रयत्न किया। इसी के साथ उन्होंने भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न भी किए। गांधी जी ने ऐसा क्यों किया? इसलिए कि वे मानव-मानव के बीच काले-गोरे, या ऊँच-नीच का भेद ही मिटाना प्रयाप्त नहीं समझते थे, वरन उनके बीच एक मानवीय स्वभाविक स्नेह और हार्दिक सहयोग का संबंध भी स्थापित करना चाहते थे।

इसके बाद जब वे भारत आए, तब उन्होंने इस प्रयोग को एक बड़ा और व्यापक रुप दिया विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में उन्होंने जितना बड़ा सामूहिक प्रतिरोध संगठित किया, उसकी मिसाल संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती। पर इसमें उन्होंने सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो। ऐसा गांधी जी ने इसलिए किया क्योंकि वे मानते थे कि बंधुत्व, मैत्री, सदभावना , स्नेह-सौहार्द आदि गुण मानवता रूप टहनी के ऐसे पुष्प हैं जो सर्वदा सुगंधित रहते हैं।

1. अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने का क्या कारण था?

क) निर्धनता धनिकता पर आधारित भेदभाव ख) रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव

ग) धार्मिक भिन्ता पर आश्रित भेदभाव घ) विदेशी होने से उत्पन्न मन-मुटाव

2. गांधी जी अफ्रीकावासियों और भारतीय प्रवासियों के मध्य क्या स्थापित करना चाहते थे?

क) सहज प्रेम एवं सहयोग की भावना ख) पारिवारिक अपनत्व की भावना

ग) अहिंसा एवं सत्य के प्रति लगाव घ) विश्वबंधुत्व की भावना

3. भारत में गांधीजी का विदेशी शासन का प्रतिरोध किस पर आधारित था?

क) संगठन की भावना पर ख) नैतिक मान्यताओं पर

ग) राष्ट्रीयता के विचारों पर घ) शांति की सदभावना पर

4. बंधुत्व, मैत्री आदि गुणों की पुष्पों के साथ तुलना आधारित है –

क) उनकी सुंदरता पर ख) उनकी कोमलता पर

ग) उनके अपनत्व पर घ) उनके कायिक प्रभाव पर

5. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

क) अफ्रीका में गांधी जी ख) प्रवासी भारतीय और गांधी जी

ग) गांधी जी की नैतिकता घ) गांधी जी और विदेशी शासन

6 अन्याय के विरोध मे उन्होंने -

क) राजनीतिक दल का संघठन किया ख) आध्यात्मिक सभा का संगठन किया

ग) सामूहिक प्रतिरोध का संगठन किया घ) नैतिक विधियों का संगठन किया

7 भारत का माथा नीचा हो-इसका आशय है -

क)भारत के सम्मान को ठेस न पहुंचे ख)वह नीचे की ओर देखे

ग)वह सबको झुका सके घ)सब लोग उसकी ओर न देख सकें

8 मानवता रूप टहनी के पुष्प कहा गया हैं-

क) सुगंध को ख)बंधुत्व को

ग) जीवन को घ) मनुष्य को

9 सुगंधित में प्रत्यय है -

क) सुगंध ख) धित

ग)सुग घ) इत

10 ानवता रूपी टहनी में अलंकार है -

क) रूपक ख) उपमा

ग)यमक घ) श्लेष

अथवा

आज किसी भी व्यक्ति का सबसे अलग एक टापू की तरह जीना संभव नहीं रह गया है। भारत में विभिन्न पंथों और विविध मत-मतांतरों के लोग साथ-साथ रह रहे हैं। ऐसे में यह अधिक ज़रूरी हो गया है कि लोग एक-दूसरे को जानें; उनकी ज़रूरतों को, उनकी इच्छाओं-आकांक्षाओं को समझें; उन्हें तरजीह दें और उनके धार्मिक विश्वासों, पद्धतियों, अनुष्ठानों को सम्मान दें। भारत जैसे देश में यह और भी अधिक ज़रूरी है, क्योंकि यह देश किसी एक धर्म, मत या विचारधारा का नहीं है।

स्वामी विवेकानंद इस बात को समझते थे और अपने आचार-विचार में अपने समय से बहुत आगे थे। उनका दृढ़ मत था कि विभिन्न धर्मों-संप्रदायों के बीच संवाद होना ही चाहिए। वे विभिन्न धर्मों-संप्रदायों की अनेकरूपता को जायज़ और स्वाभाविक मानते थे। स्वामी जी विभिन्न धार्मिक आस्थाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करने के पक्षधर थे और सभी को एक ही धर्म का अनुयायी बनाने के विरुद्ध थे।

वे कहा करते थे, "यदि सभी मानव एक ही धर्म को मानने लगें, एक ही पूजा-पद्धति को अपना लें और एक-सी नैतिकता का अनुपालन करने लगें, तो यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात होगी, क्योंकि यह सब हमारे धार्मिक और आध्यात्मिक विकास के लिए प्राणघातक होगा तथा हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से काट देगा।"

11. उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

क) भारतीय धर्म और संवाद। ख) विविध धर्म और पंथ

ग) .विविध मत मतांतर घ) पूजा पद्धति

12. 'टापू की तरह' जीने से लेखक का क्या अभिप्राय है?

क) पानी से घिरे द्वीप पर रहना। ख) 'टापू की तरह' जीने से लेखक का अभिप्राय है-समाज की मुख्य धारा से कटकर रहना।

ग) अलग अलग देशों में रहना घ) ये सभी

13.'भारत जैसे देश में यह और भी अधिक ज़रूरी है।' क्या जरूरी है?

क) किसी एक धर्म और संप्रदाय को स्वीकार करना। ख)विविध प्रकार के अनुष्ठान करना।
ग) दूसरे के धार्मिक विश्वासों,पद्धतियों-अनुष्ठानों को सम्मान देना चाहिए।
घ) एक ही धर्म का अनुयायी बनना।

14. स्वामी विवेकानंद को 'अपने समय से बहुत आगे' क्यों कहा गया है?
क) क्योंकि वह जानते थे कि भारत में विभिन्न धर्म और संप्रदाय हैं।
ख)क्यों कि वह मानते थे कि भारत एक धर्म या विचार धारा का नहीं है।
ग) क्यों कि उनका किसी एक धर्म में विश्वास नहीं था।
घ) क्योंकि वे जानते थे कि भारत में एक धर्म, मत या विचारधारा नहीं चल सकती। उनमें संवाद होना अनिवार्य है।

15.स्वामी जी के मत में सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति क्या होगी और क्यों?
उत्तर:
क) जब धार्मिक व आध्यात्मिक विकास नहीं रुकेगा
ख) जब सभी व्यक्ति एक धर्म, पूजा-पद्धति व नैतिकता का अनुपालन करने लगेंगे।
ग) जब सब लोग अलग-अलग धर्मों का पालन करेंगे।
घ) जब विभिन्न धार्मिक आस्थाओं के बीच सामंजस्य हो जाएगा।

16.भारत में कितने धर्मों और मतों के लोग साथ साथ रह रहे हैं-
क) चार ख)पांच
ग) छः घ) सात

17 प्राणघातक शब्द का अर्थ है-
क) प्राणों के लिए हानिकारक ख)प्राणों की रक्षा करने वाले
ग प्राणों पर प्रहार करने वाले घ प्राणों की आहुति देने वाले

18 यदि सभी मानव एक ही धर्म को मानने लगें तो
1) यह अच्छी बात होगी ख) अनुचित बात होगी
ग) दुर्भाग्यपूर्ण बात होगी घ) दुखी करने वाली बात होगी

19 सांस्कृतिक जड़ों के कटने का अभिप्राय है-
क) पेड़ों को काटना ख)अपनी जड़ों से कटना
ग अपनी सांस्कृतिक विरासत से अलग थलग होना। घ संस्कृत भाषा से दूर रहना

20.स्वामी जी सभी धर्मों की एकरूपता को
क) आवश्यक मानते थे। ख)अनावश्यक मानते थे।
ग उचित मानते थे। घ अनुचित मानते थे

प्रस्तुत काव्यानशको पढ़िए और उचित विकल्पों का चयन करके उत्तर दीजिये –

हर किरण तेरी संदेश वाहिका
पवन गीत तेरे गाता
तेरे चरणों को छूने को
लालायित हिमगिरि का माथा
तुझसे ही सूर्य प्रकाशित है
आलोक सृष्टि में तेरा है,
संपूर्ण सृष्टि का रोम रोम
चिर ऋणी, उपासक तेरा है
अगणित आकाश गंगाएं
नन्ही बूंदें तेरे आगे

तू आदि-अंत से मुक्त
काल अस्तित्व हीन तेरे आगे
हे जगत नियंता,जगत पिता
है व्याप तेरा कितना ईश्वर
तेरे चरणों में नत मस्तक,
कितनी धरती कितने अंबर

21 ईश्वर के चरण चूमने के लिए कौन लालायित रहता है

क) पहाड़ ख) नदियां

ग) दरिया घ) हिमगिरि

22 किसका रोम रोम तेरा चिर ऋणी है

क) छोटी सृष्टि ख) बड़ी सृष्टि

ग) कम सृष्टि घ) संपूर्ण सृष्टि

23 तू आदि..... से मुक्त रिक्त स्थान की पूर्ति करें

क) अब ख) तब

ग) जब घ)अंत

24 सत्य कथन पर सही का चिह्न लगाइए

क) ईश्वर के चरणों में नत मस्तक हैं-धरती और अंबर ख) ईश्वर के चरणों में नत मस्तक हैं-अंबर और हवा

ग) ईश्वर के चरणों में नत मस्तक हैं- धरती और आग घ) ईश्वर के चरणों में नत मस्तक हैं-आग और हवा

25 जगत पिता किसे कहा गया है?

क) ईश्वर ख) आकाश

ग) संसार घ) समाज

अथवा

क्षमा शोभती उस भुजंग कोजिसके पास गरल हो
उसको क्या जो दंतहीन विषरहित, विनीत, सरल हो
तीन दिवस तक पंथ मांगते रघुपति सिन्धु किनारे,
बैठे पढ़ते रहे छन्द अनुनय के प्यारे-प्यारे।
उत्तर में जब एक नाद भीउठा नहीं सागर से
उठी अधीर धधक पौरुष की,आग राम के शर से।
सिन्धु देह धर त्राहि-त्राहि करता आ गिरा शरण में
चरण पूज दासता ग्रहण कीबँधा मूढ़ बन्धन में।
सच पूछो, तो शर में ही बसती है दीप्ति विनय की
सन्धि-वचन संपूज्य उसी का जिसमें शक्ति विजय की।
सहनशीलता, क्षमा, दया को तभी पूजता जग है
बल का दर्प चमकता उसकेपीछे जब जगमग है।

26 क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो , इस पंक्ति के द्वारा कवि कहना चाहता है-

क) दुर्बल व्यक्ति का जीवन बेकार होता है। ख) विषैले सर्प किसी को क्षमा नहीं करते।

ग) दुर्बल व्यक्ति किसी को क्षमा करने योग्य नहीं होता। घ) जिसके पास शक्ति होती है,उसी उसी की क्षमा प्रशंसनीय होती है।

27 सिन्धु देह धर त्राहि-त्राहि करता आ गिरा शरण में पंक्ति में अलंकार है-

क) यमक ख) उपमा

ग) मानवीकरण घ)रूपक

28 विनय का समुद्र पर जब कोई प्रभाव नही पड़ा तो राम ने क्या किया?

क) उन्होंने समुद्र मार्ग से होकर न जाने का निर्णय किया। ख) उन्होंने बाण से समुद्र को सुखाने का निर्णय किया।

ग)वह बहुत परेशान हो गए घ) उन्होंने वायु मार्ग से जाने का निर्णय किया।

29 सन्धि-वचन संपूज्य उसी का जिसमें शक्ति विजय की, पंक्ति का भाव है-

क) विजय के लिए संधि आवश्यक होती है ग) संधि से ही विजय प्राप्त होती है

ग) शक्तिशाली की ही संधि आदरणीय होती है। घ)इनमें से कोई नहीं।

30 दंतहीन शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है

क) सांप के लिए ख) मनुष्य के लिए

ग) समुद्र के लिए घ) राम के लिए

प्रश्न सं031-36 में से किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए

31 प्राप्त संदेश का कूट वाचन कौन करता है?

क) प्राप्त कर्ता ख) संदेश वाहक

ग) संदेश प्रसारक घ) इनमें से कोई नहीं

समाचार लेखन में किस शैली का प्रयोग किया जाता है?

क) कथात्मक ख) कलात्मक

ग) उल्टा पिरामिड घ) सीधा पिरामिड

32 समाचार पत्र जनसंचार का कैसा माध्यम है?

क) श्रव्य ख) मुद्रित

ग) दृश्य घ) दृश्य, श्रव्य

33 हिंदी में प्रकाशित होने वाला पहला सप्ताहिक समाचारपत्र है-

क) बंगाल गजट ख) यंग इंडिया

ग) नव जीवन घ) उदंत मार्तण्ड

34 जनसंचार का सबसे लोकप्रिय माध्यम है-

क) टेलीविजन ख) टेलीफोन

ग) समाचारपत्र। घ) रेडियो

एनकोडिंग संचार का -

35 क) तत्व है ख) प्रकार है

ग) प्रक्रिया है घ) कार्य है

36 भारत में पहला छापाखाना कहाँ खोला गया ?

क) कोलकाता ख) गोआ

ग) मद्रास घ) बम्बई

काव्यांश को पढ़िए और उचित विकल्पों का चयन करें –

अंधकार की गुहा की गुहा सरीखी
उन आंखों से डरता है मन
भरा दूर तक जिनमें दारुण
दैन्य दुख का नीरव रोदन
लहराते वे खेत दृगों में

हुआ बेदखल अब वह जिनसे
हंसती थी उसके जीवन की
हरियाली जिनके तृन-तृन से
उजरी उसके सिवा किसे
कब पास दुहाने आने देती
आह आंखों में नाचा करती
उजड़ गयी जो सुख की खेती
पिछले सुख की स्मृति आंखों में
क्षण भर एक चमक है लाती
तुरत शून्य में गड़ वह चितवन
तीखी नोंक सदृश बन जाती।

37 इन पंक्तियों के रचयिता **हैं -**

1) जयशंकर प्रसाद ख)सुमित्रा नंदन पन्त
2) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला घ) महादेवी वर्मा

38 कौन-सी भावना किसान की निराश आँखों में क्षण भर के लिए चमक लाती थी?

क) विगत सुख की स्मृति ख) बचपन के दिनों की स्मृति
ग). जवानी की मस्ती घ) अतीत की स्मृति

39 किसे याद करके किसान की छाती पर साँप लोटते थे?

क) खेतों को ख) मरे हुए जवान बेटे को
ग) मृतक पत्नी को घ) बिके बैलों को

40 जीवन की हरियाली' से क्या तात्पर्य है?

क) .जीवन की प्रसन्नता ख) जीवन का संघर्ष
ग) जीवन का दुःख घ) जीवन की गरीबी

41 . उजरी कौन थी?

क) किसान की बकरी ख) किसान की गाय
ग) किसान की भैंस घ) किसान की बेटी

पठित **गद्यांश पर** आधारित प्रश्न

मोहन का हस्तक्षेप इतनी फुर्ती और आकस्मिक ढंग से हुआ कि धनराम को चूक का मौका ही नहीं मिला।वह अवाक् मोहन की ओर देखता रहा।

मोहन ने अपनी कारीगरी की स्वीकृति पाने की मुद्रा में देखा। उसकी आंखों में एक सर्जक की चमक थी। धनराम उनमें से एक था जिसने त्रिलोक सिंह के आदेश पर अपने हमजोली मोहन के हाथों कोई बार बेंत खाए थे। मोहन के प्रति थोड़ी बहुत ईर्ष्या होने पर भी धनराम उसके प्रति स्नेह और सम्मान का भाव रखता था। इसका एक कारण यह भी था कि बचपन से ही उसके मन में बैठा दी गई जातिगत हीनता की भावना के कारण वह मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी नहीं समझा बल्कि इसे वह अपना अधिकार ही समझता रहा।लेकिन इस बार त्रिलोक सिंह ने उसके लाए हुए। बेंत का उपयोग करने के बजाए ज़ुबान की चाबुक लगा दी थी, तेरे दिमाग़ में तो लोहा भरा है, विद्या का ताप कहां से लगेगा इसमें।

42 . गलता लोहा' शीर्षक कहानी के लेखक हैं-

क) प्रेमचंद ख) शेखर जोशी
ग) यशपाल घ) मन्नू भंडारी

43 'गलता लोहा' शीर्षक कहानी में किस प्रमुख समस्या को उजागर किया गया है?

क) शोषण की समस्या ख) भ्रष्टाचार की समस्या

ग) जातिगत भेदभाव की समस्या घ) महँगाई की समस्या।

44.धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी नहीं समझता था क्योंकि-

क) वह भी मोहन के समान था ख) वह उच्च जाति का था

ग) वह निम्न जाति का था घ) उसमें जातिगत हीनता की भावना थी

45 मास्टर त्रिलोकी सिंह के कथन को ज़ुबान का चाबुक कहा गया है क्योंकि उनके कथन ने धनराम को

क)सांत्वना दी ख) उसके मन को शांति पहुंचायी

ग) उसके मन को चोट पहुंचाई घ) उसको प्रेरणा दी।

46 उसकी आंखों में सर्जक की चमक थी, में सर्जक से अभिप्राय है-

क) रचना करने वाला ख) गीत लिखने वाला

ग) कहानी कहने वाला घ) खेती करने वाला

पाठ्यपुस्तक के पठित पाठों पर आधारित प्रश्न

प्रश्न सं**0 47-52** में से किन्हीं **05** प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए **|**

47 क्या कहने पर जग मारने के लिए दौड़ता है?

क) . झूठ ख) सत्य

ग) निंदा घ प्रशंसा

48 'कौंहरा' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?

क) कोहरा ख कलाकार

ग ईश्वर घ धर्मात्मा

49 . कबीर ने किसको एक माना है?

क ईश्वर को ख धर्म को

ग माया को घ गुरु को

50 कबीर ने 'तूँही' किसके लिए प्रयोग किया है?

क . अपने लिए ख . गुरु के लिए

ग परमात्मा के लिए घ. शिष्य के लिए

51 नमक का दारोगा पाठ के अंत में किसकी विजय किस पर दिखाई गई है-

क धन पर धर्म की। ख आदर्श पर यथार्थ की।

ग यथार्थ पर आदर्श की। घ धर्म पर धन की।

52 न्याय और नीति लक्ष्मी के खिलौने हैं यह कथं किसका है ?

क) आलोपीदिन का ख) वंशीधर के पिता का

ग वंशीधर का) घ) न्यायाधीश का

प्रश्न सं**0 53 -58** में से किन्हीं **05** प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए **|**

53 - लता के गाने की विशेषता है-

क) गानपन **ख) स्वरों की निर्मलता**

ग) नादमय उच्चार **घ) उपर्युक्त सभी।**

54 - लेखक के अनुसार लता ने किस रस के गाने के साथ न्याय नहीं किया है?

क) श्रृंगार **ख) करुण**

ग) वात्सल्य **घ) वीभत्स**

55 - इनमें से कौन-सा कथन सही नहीं है-

क) गंभीरता शास्त्रीय संगीत का स्थाई भाव है। **ख) चपलता चित्रपट संगीत का मुख्य गुण धर्म है।**

ग) चित्रपट संगीत का ताल प्राथमिक अवस्था का ताल होता है। **घ) इनमें से कोई नहीं।**

56 - लेखक के अनुसार चित्रपट संगीत गाने वाले को शास्त्रीय संगीत की उत्तम जानकारी होना-

क) आवश्यक है। **ख) आवश्यक नहीं है।**

ग) क और ख दोनों। **घ) इनमें से कोई नहीं।**

57- "चित्रपट संगीत क्षेत्र की लता अनभिषिक्त सम्राज्ञी है।" अनभिषिक्त का क्या अर्थ है?

क) महान **ख) बेताज**

ग) सर्वश्रेष्ठ **घ)** सुरीली 58 लेखक के अनुसार लता जैसा

58-कलाकार कितने समय के पश्चात पैदा होता है

क दस वर्ष ख चालीस वर्ष

ग सदियों वर्ष घ पचास वर्ष